अभ्यास पत्रक

पाठ: 2 - दो गौरैया

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) पिताजी अपने घर को 'सराय' क्यों कहते थे?

(क) क्योंकि वह बहुत बड़ा था। (ख) क्योंकि उसमें बहुत से मेहमान आते थे।

(ग) क्योंकि उसमें तरह-तरह के पक्षी और जीव-जंतु रहते थे। (घ) क्योंकि वह किराए का घर था।

(ii) दो गौरैयों ने अपना घोंसला कहाँ बनाया था?

(क) आँगन के आम के पेड़ पर (ख) रोशनदान में

(ग) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में (घ) रसोई के दरवाजे पर

(iii) पिताजी जब गौरैयों को निकालने के लिए नाच रहे थे, तो माँ ने हँसकर क्या कहा?

(क) कि आप बहुत अच्छा नाचते हैं।

(ख) कि गौरैयाँ डर कर भाग जाएँगी।

(ग) कि चिड़ियाँ पूछ रही हैं कि यह आदमी कौन है और नाच क्यों रहा है।

(घ) कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

(iv) गौरैयों को भगाने के लिए पिताजी बाहर से क्या उठा लाए थे?

(क) पत्थर (ख) पानी (ग) लाठी (घ) स्टूल

(v) यह कहानी किस लेखक द्वारा लिखी गई है?

(क) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' (ख) भीष्म साहनी (ग) आरसी प्रसाद सिंह (घ) प्रेमचंद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) लेखक के घर में कुल कितने इंसान रहते थे?

उत्तर- .....

(ii) घर में कौन-सा जानवर अँगीठी के पीछे बैठना पसंद करता था?

उत्तर- .....

(iii) जब गौरैयों को बाहर निकाल दिया गया, तो वे पहली बार वापस अंदर कैसे आईं?

उत्तर- .....

(iv) माँ ने गौरैयों को निकालने का क्या आसान तरीका सुझाया था?

उत्तर- .....

(v) माँ के व्यंग्य करने पर पिताजी को गुस्सा क्यों आ जाता था?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) कहानी के आरंभ में लेखक के घर में रहने वाले किन्हीं तीन प्रकार के जीव-जंतुओं और उनकी हरकतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) माँ क्यों बार-बार कह रही थीं कि गौरैयाँ अब घर छोड़कर नहीं जाएँगी?

उत्तर- .....

.....

(iii) पिताजी के गौरैयों को भगाने के शुरुआती प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कहानी में माँ और पिताजी का गौरैयों के प्रति व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है। दोनों के व्यवहार की तुलना करते हुए बताइए कि आपको किसका व्यवहार और क्यों अधिक पसंद आया?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) क्योंकि उसमें तरह-तरह के पक्षी और जीव-जंतु रहते थे।

(ii) (ग) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में

(iii) (ग) कि चिड़ियाँ पूछ रही हैं कि यह आदमी कौन है और नाच क्यों रहा है।

(iv) (ग) लाठी

(v) (ख) भीष्म साहनी

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) लेखक के घर में कुल तीन इंसान (माँ, पिताजी और लेखक) रहते थे।

(ii) एक बूढ़ा चूहा अँगीठी के पीछे बैठना पसंद करता था।

(iii) जब गौरैयों को बाहर निकाल दिया गया, तो वे पहली बार दरवाजे के नीचे की खाली जगह से वापस अंदर आ गईं।

(iv) माँ ने पंखा चला देने का आसान तरीका सुझाया था।

(v) माँ के व्यंग्य करने पर पिताजी को लगता था कि माँ उनका मजाक उड़ा रही हैं, इसलिए उन्हें गुस्सा आ जाता था।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) लेखक के घर में चूहे रहते थे जो रात भर धमा-चौकड़ी मचाते थे। कबूतर दिन भर 'गुटर-गूँ' करते रहते थे। और चमगादड़ शाम होते ही कमरों में कसरत करने लगते थे।

(ii) माँ बार-बार इसलिए कह रही थीं कि गौरैयाँ अब घर छोड़कर नहीं जाएँगी क्योंकि उन्होंने वहाँ घोंसला बना लिया था और माँ को अंदेशा था कि उन्होंने अंडे भी दे दिए होंगे।

(iii) पिताजी ने शुरुआती प्रयासों में पंखे के नीचे जाकर जोर-जोर से ताली बजाई, मुँह से 'श... शू' की आवाजें निकालीं और खड़े-खड़े कूदने भी लगे ताकि गौरैयाँ डरकर भाग जाएँ।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) कहानी में माँ और पिताजी का गौरैयों के प्रति व्यवहार बिल्कुल विपरीत है।

- **पिताजी का व्यवहार:** पिताजी गौरैयों के घर में आने से बहुत परेशान और गुस्सैल थे। वे उन्हें हर हाल में घर से बाहर निकालना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने ताली बजाने, कूदने, लाठी से भगाने और अंत में घोंसला तोड़ने जैसे आक्रामक प्रयास किए। उनका व्यवहार कठोर और असहिष्णु था।
- **माँ का व्यवहार:** माँ का व्यवहार गौरैयों के प्रति सहनशील और विनोदी था। वे पिताजी के प्रयासों पर हँसती थीं और व्यंग्य करती थीं, लेकिन उनका उद्देश्य पिताजी को चिढ़ाना नहीं, बल्कि स्थिति को हल्का बनाना था। वे समझती थीं कि गौरैयाँ अब अंडे दे चुकी होंगी और उन्हें नहीं निकालना चाहिए। उनका व्यवहार दयालु और प्रकृति-प्रेमी था। इन दोनों में से माँ का व्यवहार अधिक पसंद आता है क्योंकि वह जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और समझदारी दिखाती हैं। वे जानती हैं कि एक बार घर बना लेने और अंडे दे देने के बाद पक्षियों को उनके स्थान से हटाना क्रूरता है। उनका हँसना और मजाक करना भी कहानी को रोचक बनाता है और पिताजी के गुस्से को संतुलित करता है।